अध्याय -13

नृत्य केर माध्यमसँ अवरोधकेँ तोरब

नृत्यमे, कखनो-कखनो एकल नर्तक द्वारा नृत्य प्रस्तुत कएल जाइत अछि, चाहे ओ कोनो लिंगक हो। नृत्यक बहुत रास पारम्परिक प्रदर्शनमे पुरुष प्रायः महिला पात्रक निर्वाह करैत छथि।

भक्ति आन्दोलन

छठम वा सातम शताब्दी ईस्वीक लगपास शुरू भेल भक्ति आन्दोलन क्षेत्रीय शास्त्रीय नृत्य रूपक विकासकेँ प्रभावित कएलक जे हमर वर्तमान शास्त्रीय नृत्यक जड़िकेँ विस्तारित करैत अछि।

भक्ति कालमे नर्तक मन्दिरक भीतर पूजा अनुष्ठानक हिस्सा बनि गेलाह। दक्षिण भारतक देवदासी आ तेवदीची आ ओडिशाक महारी लोकनि मन्दिरक भीतर देवताक सोझे सेवा करैत छलाह।

असमक सत्तारस आ दक्षिणमे भागवतरमे विधिवत नृत्यक माध्यमसँ 64 अनुष्ठान कएल जाइत अछि। उत्तरक कथाकार लोकक नैतिक मूल्यकेँ बढ़यबाक लेल भगवान शिवक तांडवक स्तुतिमे कथासभकेँ गबैत आ अधिनियमित कएलनि।

भक्ति आन्दोलनक अवधारणा आम लोकक लेल बूझब आसान छल।

गोतिपुआ नृत्य

0680CH13

गोटीपुआ नृत्य सीखए बला छात्र

© NCERT not to be republished

अर्धनारीश्वर

उदाहरण

गोटीपुआ नृत्य

ओडिशामे उत्पन्न गोटीपुआ नृत्यक एकटा वीडियो (यूट्यूब) देखू।

महारी लोकनि मन्दिरक भीतर भगवान जगन्नाथ आ गोटीपुआक स्तुतिमे ई प्रदर्शन कएलनि जतए युवा लड़कासभ जनताक लेल नृत्य करैत छलाह।

अहिठाम युवा लड़का सभ लड़की सभ जेना वस्त्र पहिरैत छथि

आ कलाबाजी गतिक सङ्ग नृत्य प्रस्तुत करैत छथि।

अर्धनारीश्वर नृत्य

चित्रकलामे अहाँ भगवान शिव आ देवी पार्वतीकेँ एकहि मुँह पर नृत्य श्रृङ्गारक सङ्ग देखि सकैत छी।

गतिविधि-1: अद्वितीय लोक नृत्यक वीडियो देखू

विभिन्न लोक नृत्यक वीडियो देखू जे अद्वितीय मुद्रा, हाव-भाव, चलबाक तरीका, डेग, वेशभूषा आ सङ्गीतक सङ्ग प्रस्तुत कएल जाइत अछि।

लअथवाणी (मुख्य रूप सँ महिला रूप) महाराष्ट्र सं

पुरुलिया छाउ पश्चिम बंगाल सं मूल रूप सं केवल पुरुष द्वारा प्रस्तुत

© NCERT not to be republished

महाराष्ट्रक लावणी (मुख्य रूपसँ महिला रूप)

पछिम बङ्गालक पुरुलिया छाउ नृत्य मूल रूपसँ मात्र पुरुष द्वारा प्रस्तुत कएल जाइत छल।

कर्नाटकसँ यक्षगान आब अहाँ लावनी आ छाऊ दुनूक चरण आजमा सकैत छी।.

मोहिनीअट्टम (पहिने मात्र महिला द्वारा प्रस्तुत कएल जाइत छल), कथकली आ यक्षगान सन (पहिने मात्र पुरुष द्वारा प्रस्तुत कएल जाइत छल) नृत्यमे आधुनिक समयमे लैङ्गिक बाधाकेँ दूर कऽ भारी परिवर्तन भेल अछि।

ई ध्यान राखब महत्वपूर्ण अछि जे नाचमे ई मुद्रा आ चाल लिंगक आधार पर कड़ाई सँ सीमित नहि होइत छैक। नटुआ प्रायः पारम्परिक लिंग मानदंडकेँ तोड़ैत अपन अद्वितीय अभिव्यक्ति बनेबाक लेल विभिन्न शैलीक तत्व सभक मिश्रण करैत छथि।

आब अहाँ एहन अवस्था पर आबि गेल छी जतए अहाँकेँ अपन क्षेत्रक नृत्य रूपक चरण सीखय पड़त।

गतिविधि -2: लोक नृत्यक लेल चरण

आउ हमसब आवश्यक झुकाव के सङ्ग जोरदार सौम्य गतिमे प्रयास कएल गेल चरणक अभ्यास करी।

लावनी आ भांगड़ा, दुनू नृत्य रूपक अभ्यास लड़की आ लड़का द्वारा कएल जा सकैत अछि।

एहि नृत्यमे प्रयुक्त बांहि आ हाथक हाव-भावक अन्वेषण करू।

© NCERT not to be republished

गतिविधि- 3: परियोजना काज

जोगती मंजम्मा एकटा पथप्रदर्शक व्यक्तित्व छथि जे लैङ्गिक पहिचानक बाधाकेँ तोड़ि कर्नाटकमे जोगती नृत्यक विकासकेँ प्रभावित कएलनि अछि। हुनक विषयमे बेसी जानकारी लिय आ हुनक चित्रक सङ्ग एकटा परियोजनाक काज प्रस्तुत करू।

परियोजनाक फ्रेम - बचपनक प्रेरणादायक खिस्सा (जों कोनो अछि), सीखबाक अनुभव, उपलब्धि आ जुड़ाव।

© NCERT not to be republished

आयताकार आका

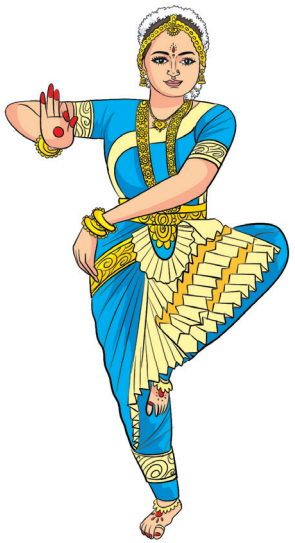

त्रिकोणीय आकार

नृत्य, आकार आओर ताला

गणित आ नृत्य एक दोसरक पूरक अछि।

हम नृत्यक माध्यमसँ ज्यामितीय आकारक प्रदर्शन कऽ सकैत छी। नृत्यमे गणितीय लयमे ज्यामितीय मुद्रा आ गति सम्मिलित अछि। हम नृत्य कला (कोरियोग्राफी)मे संरचनाक लेल अलग-अलग ज्यामितीय पैटर्नक उपयोग कऽ सकैत छी। लय आ ताल मात्र अङ्कगणितीय प्रतिरूप अछि।

अगिला गतिविधि मे एकरा आज़माउ।

गतिविधि 4: नाच आ ज्यामितीय आकृति

एकटा नृत्यमे कतेक अलग-अलग ज्यामितीय आकार प्रस्तुत कएल जा सकैत अछि ?

भिन्न आकार देखाबै बला नर्तक

त्रिभुज, वृत्त, वर्ग, आयत आदि, अहाँक हाथ, भुजा आ पैरक उपयोगसँ बनाओल जा सकैत अछि।

कक्षा मे चर्चा करू आ किछु ज्यामितीय गति के आज़माउ।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 5 - लय केर ज्यामिति

आब पछिला गतिविधिक सभ तत्व (भुजा, हाथ, पएर) कैं मिलाउ आ लयक एकटा आओर तत्व जोड़ैत विभिन्न ज्यामितीय आकारक जाँच करू।

ताल लयबद्ध इकाइ सभक विभिन्न क्रमपरिवर्तन आ संयोजन अछि।

समूह बनाउ आ विभिन्न ज्यामितीय प्रतिरूप वा संरचना बनेबाक लेल अलग-अलग अङ्कगणितीय लय संयोजनक प्रयास करू।

उदाहरण

2 ताल + 2 ताल = 4 ताल

2 ताल + 3 ताल = 5 ताल

2 ताल + 4 ताल = 6 ताल

3 ताल + 3 ताल = 6 ताल

3 ताल + 4 ताल = 7 ताल

एहन गति सभसँ गुजरू आ कक्षामे चर्चा करू जे एहन गति उक्त क्रियासँ कोना सम्बन्धित अछि।

© NCERT not to be republished